PAPER-III
DOGRI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

J A 0 3 3 1 7

Time : **2 ½** hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **24**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
   (iv) The test booklet no. and OMR sheet no. should be same. In case of discrepancy in the number, the candidate should immediately report the matter to the invigilator for replacement of the test booklet / OMR Sheet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④
   where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet on conclusion of examination.
10. **Use only Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
   (iv) प्रश्न पुस्तिका नं. और OMR पत्रक नं. समान होने चाहिए । यदि नंबर भिन्न हों, तो परीक्षार्थी प्रश्न-पुस्तिका / OMR पत्रक बदलने के लिए निरीक्षक को तुरंत सूचित करें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :
   उदाहरण : ① ② ● ④
   जबकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

DOGRI
डोगरी
Paper – III
प्रश्नपत्र – III

नोट : इस पेपर च **पच्हत्तर (75)** मते विकल्पी सुआल न । हर सुआलै दे **दो** (2) नंबर न । **सभनें** सुआलें दे परते देओ ।

1. द्रविड़ परिवार :

(a) विश्व-भरै च चौथा बड्डा भाशा-परिवार ऐ ।

(b) च पंजाहें कशा बद्ध भाशां न ।

(c) च नपुंसक शब्द अक्सर इकवचनी होंदे न ।

(d) च मूर्धन्य ध्वनियें दी प्रधानता ऐ ।

(1) (a), (b) ते (d) ठीक न ।

(2) (b), (c) ते (d) ठीक न ।

(3) (a), (c) ते (d) ठीक न ।

(4) (a), (b) ते (c) ठीक न ।

2. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-I		**चंदी-II**
(a)	पदपाठ	(i)	पैह्ले पदै गी दुए कन्नै ते दुए गी पैह्ले कन्नै जोड़ियै पढ़ना ।
(b)	क्रमपाठ	(ii)	तरतीब मताबक द'ऊं - द'ऊं पदें गी रलाइयै पढ़ना ।
(c)	जटापाठ	(iii)	पदें गी बक्ख-बक्ख करियै पढ़ना ।
(d)	घनपाठ	(iv)	खीरले सिरे थमां शुरू करियै दुए पदै कन्नै पैह्ले पद दा पाठ करदे जाना ।

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(2)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(3)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(4)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)

3. विशेशन, धातु, सर्वनाम ते संज्ञा वाक् भागें दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दे थमां बने दे संज्ञा शब्दें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) नौकरी, चिक्खड़पुना, अपनापन ते औन-जान

(2) चिक्खड़पुना, औन-जान, अपनापन ते नौकरी

(3) नौकरी, औन-जान, अपनापन ते चिक्खड़पुना

(4) अपनापन, औन-जान, चिक्खड़पुना ते नौकरी

4. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीज़न यानी कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) यूरोप च भाशाविज्ञान दे खेतरा च आधुनिक अध्ययन दा रंभ भारती अध्ययन दे प्रभाव च होआ ।

(R) यूरोपी विद्वानें भारत च संस्कृत दा अध्ययन कीता ते फ्ही बाद च तुलनात्मक अध्ययन च प्रवृत्त होए ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

5. 'जां' ते 'भाएं'

(1) समुच्चयबोधक अव्यय न ।

(2) क्रियाविशेशन अव्यय न ।

(3) संबंधसूचक अव्यय न ।

(4) विस्मयसूचक अव्यय न ।

6. डोगरी भाशा च 'पर' :

(a) संज्ञा प्रातिपदिक ऐ ।

(b) विरोधसूचक सामानाधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय ऐ ।

(c) कारक-चि'न्न ऐ ।

(d) भावात्मक पद ऐ ।

(1) (b) ते (c) ठीक न ।

(2) (b), (c) ते (d) ठीक न ।

(3) (a) ते (c) ठीक न ।

(4) (a), (b) ते (c) ठीक न ।

7. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-I		**चंदी-II**
(a)	वार्तिक	(i)	भर्तृहरि
(b)	महाभाष्य	(ii)	हेमचंद्र
(c)	शब्दानुशासन	(iii)	पतंजलि
(d)	वाक्यपदीपम्	(iv)	कात्यायन

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(2)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(3)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

8. मात्रा, सुर, प्राणत्व ते विवृत्ति अर्थभेदक तत्वें दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दे उदाहरणों दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) मान – म्हान, पलना – फलना, मत – मत्त, ओह्दे – ओह् दे

(2) ओह्दे – ओह् दे, मत – मत्त, मान – म्हान, पलना – फलना

(3) पलना – फलना, मत – मत्त, ओह्दे – ओह् दे, मान – म्हान

(4) मत – मत्त, मान – म्हान, पलना – फलना, ओह्दे – ओह् दे

9. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीज़न यानी कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) परानी डोगरी लिपि (डोगरा अक्खर) महाराजा रणबीर सिंह हुंदे आसेआ संशोधन करोआए जाने परैत्त बी डोगरी साहित्य-लेखन च अपना थाह्र नेईं बनाई सकी ।

(R) इस लिपि दी बरतून स्हाब – कताब, बेही – खाते जां किश पराने सरकारी दस्तावेजें ते किश लिप्यंतरत पुस्तकें च गै नजरी आई ऐ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

10. इं'दे च उच्चे – ढलदे सुर आह्‌ला शब्द ऐ :

(1) ब्हार (2) बार

(3) बाह्‌र (4) ब्हाना

11. डोगरी दे समुच्चयबोधक अव्यय :

(a) मौलिक ते यौगिक दौनें रूपें च बरतोंदे न ।

(b) सिर्फ मूल रूपै च बरतोंदे न ।

(c) यौगिक सरबंध व्यक्त करदे न ।

(d) आश्रित सरबंध व्यक्त करदे न ।

(1) (a), (c) ते (d) ठीक न ।

(2) (b), (c) ते (d) ठीक न ।

(3) (a) ते (c) ठीक न ।

(4) (b) ते (c) ठीक न ।

12. पैह्‌ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-I		**चंदी-II**
(a)	हस्सा करदा ऐ ।	(i)	सकर्मक क्रिया
(b)	भरा करदा ऐ ।	(ii)	पैह्‌ली प्रेरणार्थक क्रिया
(c)	डराऽ करदा ऐ ।	(iii)	दूई प्रेरणार्थक क्रिया
(d)	नचोआऽ करदा ऐ ।	(iv)	अकर्मक क्रिया

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(2)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(3)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(4)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

13. संज्ञा, क्रिया, विशेशन ते सर्वनाम वाक् भागें दे क्रम दे अधार उप्पर इं'दे थमां बनी दियें संज्ञाएं दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) कारीगिरी, थकेमां, गरीबी ते मेर-तेर

(2) थकेमां, गरीबी, कारीगिरी ते मेर-तेर

(3) मेर-तेर, कारीगिरी, गरीबी ते थकेमां

(4) थकेमां, मेर-तेर, कारीगिरी ते गरीबी

14. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीज़न यानी कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) डोगरी सर्वनामें दी रूप-रचना खासी जटिल ऐ ।

(R) इक-इक सर्वनाम आस्तै डोगरी च इक थमां मते शब्द बरतोंदे न, जि'यां में ते अ'ऊं, मेरा, म्हाड़ा आदि ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

15. इं'दे च अनुनासिकता कारण अर्थ-भेद दस्सने आह्ला जोड़ा ऐ :

(1) जा – जां (2) जाला – जांला

(3) बारी – बांरी (4) इत्थै – इत्थें

16. 'दिल दरेआ खाली-खाली'

(a) इक गज़ल-संग्रैह् ऐ ।

(b) साहित्य अकादेमी पासेआ पुरस्कृत रचना ऐ ।

(c) इस दे लेखक जितेन्द्र उधमपुरी न ।

(d) एह् इक दोहा संग्रैह् ऐ ।

(1) (a) ते (b) ठीक ऐ ।

(2) (a) ते (c) ठीक ऐ ।

(3) (b) ते (d) ठीक ऐ ।

(4) (b) ते (c) ठीक ऐ ।

17. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-I		**चंदी-II**
(a)	मेरा सफ़र मेरे साथी	(i)	यश शर्मा
(b)	गडीरना	(ii)	तारा स्मैलपुरी
(c)	व्यंगबाण	(iii)	अरविंद
(d)	बूंद तरेलू दी	(iv)	चम्पा शर्मा

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(3)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(4)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

18. रसदा-बसदा म्हल्ला में,

किन्ना कल्ल-मकल्ला में ।

अक्खरें दा नेईं तमाशा चाहिदा,

शायरी च अर्थ मासा चाहिदा ।

इश्क आश्की शुगल नकम्मे,

सभनें गित्तै रूट्टी पीड़ ।

सि'ल्ल बेबसी दी जो तेरे कदमें गी रोक दी,

इक उद्दमै दी गर्मिया कुश्बा घली पवै ।

शेडरें दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दें शायरें दा स्हेई क्रम ऐ ।

(1) वेदपाल दीप, जितेन्द्र उधमपुरी, वीरेन्द्र केसर, शिवराम दीप ।

(2) जितेन्द्र उधमपुरी, वीरेन्द्र केसर, शिवराम दीप, वेदपाल दीप ।

(3) वीरेन्द्र केसर, वेदपाल दीप, जितेन्द्र उधमपुरी, शिवराम दीप ।

(4) शिवराम दीप, वीरेन्द्र केसर, वेदपाल दीप, जितेन्द्र उधमपुरी ।

19. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीज़न यानी कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) डोगरी च गज़ल दी सिनफ़ उर्दू दे मुकाबले च भामें नेईं, पर बाकी दियें आधुनिक भाशाएं दी गज़ल कन्नै सिर्फ बरोसरी गै नेईं करदी बल्के केइयें कशा मती विकसत ऐ ।

(R) डोगरी गज़ल ने इश्क-मुहब्बत दी दुनिया दे थाह्र ज़माना ते हालात दी गल्ल कीती ते औस्तन डोगरी गज़ल समकाली समाज दी नब्ज़ थम्मने दी सकत रखदी ऐ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

20. "जो लैह्र कनारा टप्पी जा,

ओह् लैह्र कनारै होंई जंदी ।

मित्ती दी गोदा सेई जंदी,

मित्ती दे रंग रंगोई जंदी" दे कवि न :

(1) चर्ण सिंह (2) रामनाथ शास्त्री

(3) मधुकर (4) परमानंद अलमस्त

21. डोगरी च हास्य दा प्रमुख सुर मुखरत लभदा ऐ :

(a) तारा स्मैलपुरी दी कविता च ।

(b) रणधीर सिंह रायपुरिया दी कविता च ।

(c) सुरेन्द्र सिंह मन्हास दी कविता च ।

(d) अरविंद दी कविता च ।

(1) (a), (b) ते (d) ठीक न ।

(2) (a), (b) ते (c) ठीक न ।

(3) (b), (c) ते (d) ठीक न ।

(4) (a) ते (d) ठीक न ।

22. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-I		**चंदी-II**
(a)	कंढी	(i)	गंगाराम
(b)	कंढिया दा बस्सना	(ii)	तारा स्मैलपुरी
(c)	कंढिया रौह्न्ने आं	(iii)	दीनूभाई पंत
(d)	अड़ब बैह्ड़ा	(iv)	मोहनलाल सपोलिया

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(2)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(3)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(4)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

23. अध्यात्मवादी, सुधारवादी, शंगारवादी, राष्ट्रवादी रुझानें दे इस क्रम दे स्हाबें कवियें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) मोहनलाल सपोलिया, रघुनाथसिंह सम्याल, परमानंद अलमस्त, ब्रह्मानन्द ।

(2) ब्रह्मानंद, परमानन्द अलमस्त, रघुनाथसिंह सम्याल, मोहनलाल सपोलिया ।

(3) ब्रह्मानंद, रघुनाथसिंह सम्याल, परमानन्द अलमस्त, मोहनलाल सपोलिया ।

(4) रघुनाथसिंह सम्याल, मोहनलाल सपोलिया, परमानन्द अलमस्त, ब्रह्मानंद ।

24. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीज़न यानी कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) सन् 2002 ई. च प्रकाशत होने आह्ला 'शशोपंज' क्हानी-संग्रैह् इ'क्कीमीं सदी दा पैह्ला प्रकाशत डोगरी क्हानी-संग्रैह् ऐ ।

(R) इ'क्कीमीं सदी दे पैह्ले ब'रै यानी 2001 च कोई क्हानी-संग्रैह् प्रकाशत नेईं होआ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

25. 'बदनामी दी छां' क्हानी-संग्रैह् दी क्हानी 'होर केह् करदी ?' दी मुक्ख पात्र ऐ :

(1) सीता (2) जानकी

(3) पार्वती (4) उमा

26. 'यात्रा' क्हानी-संग्रेह्

(a) दियें क्हानियें दी प्रमुख विशेशता प्रतीकात्मकता ऐ ।

(b) दा प्रकाशन ब'रा 1999 ऐ ।

(c) च 20 क्हानियां न ।

(d) च 21 क्हानियां न ।

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न ।

(2) (b) ते (c) ठीक न ।

(3) (b), (c) ते (d) ठीक न ।

(4) (c) ते (d) ठीक न ।

27. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-I		**चंदी-II**
(a)	पागल	(i)	मनोविज्ञान
(b)	चरखड़ी	(ii)	लोकशैली
(c)	एह् लोक	(iii)	हास्य-प्रधान
(d)	जात्तर	(iv)	नारी-वेदना

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(2)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(3)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(4)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

28. डॉ. टंडन, शास्त्रैनी नीलोफर, मायावती ते सुरेश – डोगरी उपन्यासें दे पात्रें दे इस क्रम स्हाबें ईं'दे उपन्यासें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) सद्धरां पौंगरी पेइआं, पल-खिन, क'न्नी बरसांत ते बाह्वे दी राजकुमारी ।

(2) सद्धरां पौंगरी पेइआं, पल-खिन, बाह्वे दी राजकुमारी ते क'न्नी बरसांत।

(3) क'न्नी बरसांत, बाह्वे दी राजकुमारी, सद्धरां पौंगरी पेइआं ते पल-खिन ।

(4) क'न्नी बरसांत, पल-खिन, बाह्वे दी राजकुमारी ते सद्धरां पौंगरी पेइआं ।

29. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीज़न यानी कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) "फुल्ल बिना डाल्ली" आदर्शोन्मुख यथार्थवादी उपन्यास ऐ ।

(R) लेखक ने इक नेह् समाज दी कल्पना कीती दी ऐ जिस च विधवा दे परतियै ब्याह् करने गी बी पूरा सम्मान दित्ता जाऽ तां जे ओह् बी इज्जत-मान कन्नै जी सकै ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

30. 'इनसानीस्तान' क्हानी प्रकाशत ऐ :

(1) क्रास फायरिंग क्हानी-संग्रैह् च ।

(2) युगवाणी क्हानी-संग्रैह् च ।

(3) मान क्हानी-संग्रैह् च ।

(4) ढलदी धुप्पै दा सेक क्हानी-संग्रैह् च ।

31. 'सप्तक' नांऽ दी पोथी च संकलित निबंध न :

(a) कुत्ते

(b) कलाजंग

(c) लारे

(d) मनोकामना

(1) (a), (c) ते (d) ठीक न ।

(2) (a), (b) ते (c) ठीक न ।

(3) (a) ते (d) ठीक न ।

(4) (b) ते (d) ठीक न ।

32. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-I		**चंदी-II**
(a)	मश्करी	(i)	प्रो. चम्पा शर्मा
(b)	जि'यां मोती न परोए दे	(ii)	डॉ. बालकृष्ण शास्त्री
(c)	परोआर	(iii)	प्रो. लक्ष्मी नारायण
(d)	इज्जत-इक परचोल	(iv)	बिश्नदास दुबे

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(2)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(3)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(4)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)

33. प्रकाशन-क्रम दे स्हाबें परख-पड़ताल, मंथन, अक्खर-अक्खर चाननी, त्रुम्बां पोथियें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) परख-पड़ताल, मंथन, अक्खर-अक्खर चाननी, त्रुम्बां

(2) मंथन, त्रुम्बां अक्खर-अक्खर चाननी, परख-पड़ताल

(3) मंथन, परख-पड़ताल, त्रुम्बां, अक्खर-अक्खर चाननी

(4) त्रुम्बां, अक्खर-अक्खर चाननी, परख-पड़ताल, मंथन

34. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीज़न यानी कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) निबंद्य गी गद्य दी कसौटी गलाया गेदा ऐ ।

(R) निबंद्य लिखना औखा नेईं ऐ । पर, फ्ही बी बड़े घट्ट निबंध लखोऽना करदे न ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

35. 'औना त्राकिया बौह्ना मझाटै' :

(1) व्यंगात्मक निबंध ऐ ।

(2) आत्मकथात्मक निबंध ऐ ।

(3) यात्रा लेख ऐ ।

(4) मनोविश्लेशनात्मक निबंध ऐ ।

36. 'राम रचना' नांऽ दी पोथी :

(a) मनोज निश्चिंत होरें लिखी दी ऐ ।

(b) सन् 2008 च प्रकाशित होई दी ऐ ।

(c) रामनाथ शास्त्री होरें लिखी दी ऐ ।

(d) च अट्ठ लेख संकलित न ।

(1) (a), (b) ते (d) ठीक न ।

(2) (a) ते (b) ठीक न ।

(3) (c) ते (d) ठीक न ।

(4) (b), (c) ते (d) ठीक न ।

37. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-I		**चंदी-II**
(a)	बैह्म	(i)	स्याढ़ां
(b)	सीतो दा ब्याह्	(ii)	रिश्ते
(c)	खतोला	(iii)	गुंगी धरती दा जिंदगीनामा
(d)	टरकाऊनंद	(iv)	सप्तक

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(2)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(3)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(4)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

38. शीराज़ा-129, शीराज़ा-179, शीराज़ा-196 ते नमीं चेतना-105-106-एह् सब्भै अंक निबंध विशेशांक न । इं'दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दे च प्रकाशित घर बदलें दे प्हाड़, पन्छान, पाकिस्तानी जसूस ते मैह्मा चाह् दी दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) पाकिस्तानी जसूस, मैह्मा चाह् दी, पन्छान, घर बदलें दे प्हाड़ ।

(2) घर बदलें दे प्हाड़, पाकिस्तानी जसूस, पन्छान, मैह्मा चाह् दी ।

(3) पन्छान, घर बदलें दे प्हाड़, पाकिस्तानी जसूस, मैह्मा चाह् दी ।

(4) मैह्मा चाह् दी, पाकिस्तानी जसूस, पन्छान, घर बदलें दे प्हाड़ ।

39. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीज़न यानी कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) एकांकी ते नुक्कड़ नाटक इक-दुए कोला बक्खरे ते स्वतंत्र रूप न ।

(R) एकांकी मर्यादा च बज्झे दा ते नुक्कड़ नाटक सारे बंधन त्रोड़दा बगावत दा बिगल बजांदा चलदा ऐ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

40. 'समें ओ समें' नाटक :

(1) इक पात्री ऐ ।

(2) बहु पात्री ऐ ।

(3) दा विशे सुधारवादी ऐ ।

(4) दे लेखक मदन मोहन शर्मा न ।

41. सन् 1985 च प्रकाशित होने आह्ले नाटक न :

(a) सरकार

(b) कौड़े घुट्ट

(c) कूंशजादी

(d) पंजकल्याणी

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न ।

(2) (a), (b) ते (d) ठीक न ।

(3) (b) ते (c) ठीक न ।

(4) (c) ते (d) ठीक न ।

42. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-I		**चंदी-II**
(a)	दाता रणपत	(i)	इक परछामां बदली दा
(b)	प्रिंस नटवरलाल	(ii)	लेखा बेही दा
(c)	मक्खु	(iii)	सरपंच
(d)	बजिया	(iv)	ढौंदियां कंधां

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(2)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(3)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(4)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)

43. अज्जै दा सिकंदर, काल चक्कर, कैसी धरती, कैसे लोक ते मल्लिका दा खास सलाह्कार दे पात्रें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) चमेली, बचैरूराम, मदारी ते जक्का ।

(2) मदारी, जक्का, चमेली ते बचैरूराम ।

(3) बचैरूराम, जक्का, मदारी ते चमेली ।

(4) जक्का, मदारी, चमेली ते बचैरूराम ।

44. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीज़न यानी कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) नाटक रंगमंच दी कसौटी पर पूरा उतरै ते ओह्दे च नाटकी तत्त्व बी होन, एह् कुसै बी रंगमंची नाटक दियां मुंढलियां लोड़ां होंदियां न ।

(R) रंगमंच दे कन्नै-कन्नै साहित्यक कसौटी पर बी नाटक तां पूरा उतरी सकदा ऐ जे लेखक निर्देशक बी होऐ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

45. 'कलजुग दा परमात्मा' नाटक :

(1) प्रगतिवादी ऐ । (2) यथार्थवादी ऐ ।

(3) सुधारवादी ऐ । (4) आदर्शवादी ऐ ।

46. शंगार रस दे विरोधी रस न :

(a) करुण रस

(b) रौद्र रस

(c) वीर रस

(d) हास्य

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न । (2) (b), (c) ते (d) ठीक न ।

(3) (a) ते (b) ठीक न । (4) (b) ते (d) ठीक न ।

47. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-I		**चंदी-II**
(a)	औचित्य	(i)	भामह
(b)	ध्वनि	(ii)	कुन्तक
(c)	वक्रोक्ति	(iii)	क्षेमेन्द्र
(d)	अलंकार	(iv)	आनन्दवर्धन

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(3)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(4)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

48. अनुप्रास अलंकार दे भेदें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) वृत्यानुप्रास, छेकानुप्रास, श्रुत्यानुप्रास ते अन्त्यानुप्रास ।

(2) श्रुत्यानुप्रास, वृत्यानुप्रास, छेकानुप्रास ते अन्त्यानुप्रास ।

(3) छेकानुप्रास, वृत्यानुप्रास, श्रुत्यानुप्रास ते अन्त्यानुप्रास ।

(4) अन्त्यानुप्रास, श्रुत्यानुप्रास, छेकानुप्रास ते वृत्यानुप्रास ।

49. हेठ दो कथन दिते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीज़न यानी कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) सैह्ज अनुभूति गै कला गी जन्म दिंदी ऐ ।

(R) सैह्ज अनुभूति च बौद्धिकता ते तर्क लेई कोई थाह्र नेईं होंदा ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

50. 'विशिष्टापदरचना रीतिः ।' आखे दा ऐ :

(1) दण्डी ने । (2) वामन ने ।

(3) मम्मट ने । (4) कुन्तक ने ।

51. प्रतीकवाद :

(a) दा जन्म यथार्थवाद दे विरोध च होआ ।

(b) राहें मूर्त ते अमूर्त जगत दा भेद स्पश्ट कीता जंदा ऐ ।

(c) विस्तार थमां सूक्ष्मता अ'ल्ल जंदा ऐ ।

(d) दा अस्तित्व हून समाप्त होई चुके दा ऐ ।

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न ।

(2) (b), (c) ते (d) ठीक न ।

(3) (a) ते (b) ठीक न ।

(4) (b) ते (d) ठीक न ।

52. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-I		**चंदी-II**
(a)	भट्टलोल्लट	(i)	भुक्तिवाद
(b)	शंकुक	(ii)	अभिव्यक्तिवाद
(c)	भट्ट नायक	(iii)	उत्पत्तिवाद
(d)	अभिनवगुप्त	(iv)	अनुमितिवाद

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(2)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(3)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

53. रूपक अलंकार दे भेदें : परम्परित, साङ्ग, निरंग ते रूपकमाला दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) रूपकमाला, निरंग, साङ्ग ते परम्परति ।

(2) निरंग, साङ्ग, परम्परित ते रूपकमाला ।

(3) साङ्ग, निरंग, रूपकमाला ते परम्परित ।

(4) परम्परित, निरंग, रूपकमाला ते साङ्ग ।

54. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीज़न यानी कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) थोह्ड़े जनेह् शब्दें च मती गल्ल आक्खी लैना ते भाशा दा कलात्मक प्रयोग करना फलौनियें दे लाजमी गुण न ।

(R) लोकें दा मन परचाने दे कन्नै-कन्नै इं'दे करी फलौनियाँ पाने ते बुज्झने आह्लें – दौनें दा ज्ञान बधदा ऐ ते कल्पना-शक्ति जागृत होंदी ऐ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

55. "लोक-कत्थें च लोक-मानव दियां सब्बे चाल्ली दियां भावनां ते जीवन-दर्शन व्यापे दा होंदा ऐ" आक्खे दा ऐ :

(1) डा. सत्येन्द्र होरें ।

(2) डा. कुन्दनलाल उप्रेती होरें ।

(3) डा. सत्या गुप्ता होरें ।

(4) जॉन रस्किन होरें ।

56. डोगरी लोक-संगीत कला :

(a) भारव-गायकी च मिलदी ऐ ।

(b) चन्न-गायकी च मिलदी ऐ ।

(c) भेटां-गायकी च मिलदी ऐ ।

(d) कारक-बार गायकी च मिलदी ऐ ।

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न ।

(2) (a), (c) ते (d) ठीक न ।

(3) (b), (c) ते (d) ठीक न ।

(4) (a), (b) ते (d) ठीक न ।

57. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-I		**चंदी-II**
(a)	संकेतक भाशा च लक्ष्य बक्खी सारत कराने आह्ली इकाई	(i)	मुहावरा
(b)	कथन गी प्रमाणकता देने आह्ली वाक्य सरूपी इकाई	(ii)	खुआन
(c)	जनमानस दे भावें दी सैह्ज काव्यमयी अभिव्यक्ति	(iii)	लोकगीत
(d)	भाशा गी असरदार बनाने आह्ली पदबंध सरूपी इकाई	(iv)	फलौनी

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(2)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(3)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(4)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

58. इक हा राजा, परीमैहल, डोगरी लोकगीत, डोगरी बुझारत कोश इ'नें पुस्तकें दे क्रम दे स्हाबें इं'दे प्रकाशकें दे नांऽ न :

(1) कल्चरल अकैडमी, डोगरी संस्था, साहित्य अकादेमी, बंदरालता साहित्य मंडल ।

(2) डोगरी संस्था, कल्चरल अकैडमी, साहित्य अकादेमी, बंदरालता साहित्य मंडल ।

(3) साहित्य अकादेमी, बंदरालता साहित्य मंडल, डोगरी संस्था, कल्चरल अकैडमी ।

(4) बंदरालता साहित्य मंडल, साहित्य अकादेमी, डोगरी संस्था, कल्चरल अकैडमी ।

59. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीज़न यानी कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) डोगरी लोकगाथाएं च लोक चिन्तन दा पूरा प्रभाव होंदा ऐ ।

(R) इं'दे च लोक-आस्थां, विश्वास, परंपरा, धार्मक पर्व, झाड़-फूक, भूत-प्रेत आदि दा भाशा च सरोखड़ वर्णन होंदा ऐ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

60. बैलेड यानी लोकगाथा गी कथात्मक आखे दा ऐ :

(1) जी.एल. किलरेज (2) हैजलि

(3) डॉ. सरे (4) वी.ए. वोटकिन

61. डा. विश्वनाथ अय्यर दे मताबक अनुवाद-प्रक्रिया दे प्रमुख त्रै चरण न :

(a) यथा अर्थग्रैह्ण

(b) पुनर्गठन

(c) मन च भाशांतरण

(d) लिखत अनुवाद

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न ।

(2) (a), (c) ते (d) ठीक न ।

(3) (b) ते (c) ठीक न ।

(4) (c) ते (d) ठीक न ।

62. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-I		**चंदी-II**
(a)	गोपीनाथन	(i)	अनुवाद इक शिल्प ऐ ।
(b)	न्यूमार्क	(ii)	अनुवाद द्वंद्वात्मक प्रक्रिया ।
(c)	मेदनिकोवा	(iii)	अनुवाद दी निश्ठा गै उसदी आत्मा ऐ ।
(d)	विलियम कपूर	(iv)	अनुवाद टीका-टिप्पणी करदा ऐ ।

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(2)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(3)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(4)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

63. प्रकाशन-ब'रें दे स्हाबें सलाम, मोरें आह्ला बाग, कलकत्ते दी कहानी : वाया बाइपास ते अग्ग गोआह् अनूदत रचनाएं दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) अग्ग गोआह्, मोरें आह्ला बाग, सलाम ते कलकत्ते दी क्हानी : वाया बाइपास ।

(2) अग्ग गोआह्, सलाम, मोरें आह्ला बाग ते कलकत्ते दी क्हानी : वाया बाइपास ।

(3) अग्ग गोआह्, कलकत्ते दी क्हानी : वाया बाइपास, सलाम, मोरें आह्ला बाग ।

(4) सलाम, अग्ग गोआह्, कलकत्ते दी क्हानी : वाया बाइपास ते मोरें आह्ला बाग ।

64. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीज़न यानी कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) अनुवाद राहें जिस नमें ज्ञान कन्नै साढ़ी पन्छान होंदी ऐ ओह् समाजिक ते सांस्कृतिक चेतना दे निर्माण ते निर्धारण च अगोचर नेही सक्रियता पैदा करदा ऐ ।

(R) अनुवाद थमां पैह्लें ज्ञान दे जेह्ड़े खेतर साढ़े आस्तै ओपरे होंदे न, अनुवाद राहें उस ज्ञान दा प्रसार होंदा ऐ ते प्रसार कन्नै जनमानस जागरूक होंदा ऐ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

65. डा. सुरेश कुमार दे अनुसार भाशाशैली दे आधार उप्पर अनुवाद दे भेद न :

(1) पूर्ण ते आंशिक अनुवाद ।

(2) माह्नू द्वारा ते मशीनी अनुवाद ।

(3) साहित्यक, शास्त्रीय ते तकनीकी अनुवाद ।

(4) मौखिक ते लिखत अनुवाद ।

66. तकनीकी अनुवाद :

(a) च तकनीकी विशें कन्नै सरबंधत दस्तावेजें दा अनुवाद होंदा ऐ ।

(b) दी मुक्ख विशेशता इस च बोलचाल दी भाशा दा होना ऐ ।

(c) दी मुक्ख विशेशता इस च इकरूपता दा होना ऐ ।

(d) च प्रयुक्त शब्दावली सीमत होंदी ऐ ।

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न ।

(2) (b) ते (c) ठीक न ।

(3) (a), (c) ते (d) ठीक न ।

(4) (c) ते (d) ठीक न ।

67. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-I		**चंदी-II**
(a)	पतझड़ दी अवाज़	(i)	उपन्यास
(b)	मेरा बचपन	(ii)	क्हानी
(c)	सखाराम बाईंडर	(iii)	गद्य
(d)	साशिया दी क्हानी	(iv)	नाटक

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(2)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(3)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(4)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

68. साहित्येतर अनुवाद, परिभाशिक शब्दावली, बोलचाल दी भाशा ते शब्दकोशानुवाद – इ'नें सभनें दा अपना-अपना खास खेतर ऐ । इं'दे कन्नै सरबंधत खेतरें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) कनूनी अनुवाद, तकनीकी अनुवाद, मशीनी अनुवाद ते भाशांतरण ।

(2) तकनीकी अनुवाद, मशीनी अनुवाद, भाशांतरण ते कनूनी अनुवाद ।

(3) तकनीकी अनुवाद, भाशांतरण, कनूनी अनुवाद ते मशीनी अनुवाद ।

(4) कनूनी अनुवाद, तकनीकी अनुवाद, भाशांतरण ते मशीनी अनुवाद ।

69. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीज़न यानी कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) हर शाब्दिक संप्रेशन दा माह्नू दे समाजिक तजरबें दे आधार उप्पर इक निश्चित अर्थ होंदा ऐ ते उस्सै करी संचार मुमकन होई पांदा ऐ ।

(R) शाब्दिक संप्रेशन लिखियै जां बोलियै, दौनें चाल्लियें कन्नै होई सकदा ऐ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

70. टैलीविजन माध्यम ऐ :

(1) आवाज़ दा

(2) द्रिश्श दा

(3) आवाज़ ते द्रिश्श दौनें दा

(4) आवाज़ ते द्रिश्श कुसै दा वी नेईं

71. जॉन लोगी बेअर्ड ने टैलीविजन दा पैह्ला सफल प्रसारण कीता हा :

(a) बिटेन च

(b) अमरीका च

(c) सन् 1926 ई. च

(d) सन् 1932 ई. च

(1) (a) ते (c) ठीक न ।

(2) (b) ते (c) ठीक न ।

(3) (a) ते (d) ठीक न ।

(4) (b) ते (d) ठीक न ।

72. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-I		**चंदी-II**
(a)	सैट्ट टाप बाक्स	(i)	स्काटलैंड बासी
(b)	इलैक्ट्रानिक माध्यम	(ii)	सैलुलर फोन
(c)	टैलीविजन दे अविश्कारक जान बेयर्ड	(iii)	ट्यूब केबल
(d)	मार्टिन कूपर	(iv)	टी.वी. ट्यूनर

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(2)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(3)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(4)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)

73. प्रिंट मीडिया दे विकास च जेह्ड़े मुक्ख दौर सामनै औंदे न, उं'दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) स्थानी पत्रकारिता - इक शक्ति, खालस व्यवसायिकता, मिशनवादी, राश्ट्र-निर्माण

(2) मिशनवादी, राश्ट्र-निर्माण, स्थानी पत्रकारिता - इक शक्ति, खालस व्यवसायिकता

(3) मिशनवादी, राश्ट्र-निर्माण, खालस व्यवसायिकता, स्थानी पत्रकारिता - इक शक्ति

(4) खालस व्यवसायिकता, मिशनवादी, राश्ट्र-निर्माण, स्थानी पत्रकारिता - इक शक्ति

74. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीज़न यानी कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) कंप्यूटर ते इंटरनेट ने मनुक्खी जीवन गी बड़ा मता प्रभावित कीता ऐ ते चतरफा विकास च तेज गति आंदी ऐ ।

(R) कंप्यूटर ते इंटरनेट सूचना क्रांति दे सशक्त उपकरण न । जिसदी शक्ति गी हर कुसा ने मन्नेआं ऐ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

75. जन संचार दा मुक्ख कम्म ऐ :

(1) लोकें कोला सूचना छपालना (2) लोकें गी बंडना

(3) लोकें दा छड़ा मनोरंजन करना (4) लोकें गी शिक्षित करना

Space For Rough Work